हिन्दी विभाग : विज़न (Vision)

- हिन्दी भाषा और साहित्य को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित अकादमिक अध्ययन के रूप में स्थापित करना।
- विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना।
- हिन्दी साहित्य, भाषा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट शिक्षण एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों को रचनात्मक, आलोचनात्मक और स्वतंत्र चिंतन के लिए प्रेरित करना।
- भारतीय संस्कृति, बहुभाषिकता और सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देना।
- हिन्दी को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और तकनीकी शिक्षा से जोड़ना।
- विभाग को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक उत्कृष्टता का केंद्र बनाना।
- विद्यार्थियों को साहित्य, मीडिया, अनुवाद और संचार के क्षेत्र में सक्षम बनाना।
- डिजिटल शिक्षा और ई-लर्निंग के माध्यम से आधुनिक शिक्षण प्रणाली को सुदृढ़ करना।
- अनुसंधान आधारित शिक्षण पद्धति को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक एवं मानवीय दृष्टिकोण विकसित करना।
- समाज और साहित्य के अंतर्संबंधों की गहरी समझ विकसित करना।
- स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी साहित्य और जेंडर अध्ययन जैसे समकालीन विषयों को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों के प्रति जागरूक बनाना।
- साहित्य के माध्यम से सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना।
- विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और संवाद कौशल का विकास करना।
- विभाग को नवाचार, सृजनशीलता और अकादमिक प्रयोगधर्मिता का केंद्र बनाना।
- हिन्दी भाषा को रोजगारोन्मुख और व्यावसायिक दृष्टि से अधिक सशक्त बनाना।

- समावेशी शिक्षा के माध्यम से सभी वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करना।
- ज्ञान, संस्कृति और सामाजिक चेतना के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।

हिन्दी विभाग : मिशन (Mission)

- गुणवत्तापूर्ण और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा प्रदान करना।
- हिन्दी साहित्य और भाषा के गहन अध्ययन एवं अध्यापन को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों के लिए शोध, लेखन और आलोचनात्मक चिंतन के अवसर उपलब्ध कराना।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाओं का नियमित आयोजन करना।
- रचनात्मक लेखन, पत्रकारिता, अनुवाद और मीडिया अध्ययन से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करना।
- विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख शिक्षा और व्यावसायिक कौशल प्रदान करना।
- साहित्यिक संस्था के माध्यम से विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना।
- डिजिटल संसाधनों और आधुनिक तकनीक का शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावी उपयोग करना।
- अंतःविषयक अध्ययन और अकादमिक संवाद को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों में नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना।
- पुस्तकालय एवं अध्ययन संसाधनों को समृद्ध और अद्यतन बनाए रखना।
- विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए समावेशी और सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना।
- महिला अध्ययन, जेंडर विमर्श और सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों पर जागरूकता विकसित करना।
- विद्यार्थियों को सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना।

- विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना।
- मीडिया, प्रकाशन और संचार क्षेत्र से विशेषज्ञों को आमंत्रित कर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- शिक्षकों और विद्यार्थियों को शोध परियोजनाओं एवं अकादमिक प्रकाशनों हेतु प्रोत्साहित करना।
- बहुभाषिकता और सांस्कृतिक विविधता को सम्मान एवं प्रोत्साहन देना।
- समाज, साहित्य और मीडिया के बदलते स्वरूप के अनुरूप पाठ्यक्रम को अद्यतन बनाए रखना।
- विद्यार्थियों को संवेदनशील , जागरूक, सृजनशील और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना।